मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि

बेसिक के पाठ्यक्रम का काव्यमय संकलन

विषय-विज्ञान

25

संकलन

काव्यांजलि टीम

मिशन शिक्षण संवाद

आप सभी का दिन शुभ हो।

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि 86

दिनांक 20 अप्रैल'19

दिन - शनिवार

कक्षा-8

अधात्विक खनिज

विज्ञान

राजस्थान,बिहार उड़ीसा,तमिलनाडु में
पाया जाता।
लाल,गुलाबी,हरे रंग का अभ्रक
अधात्विक खनिज कहलाता।।

गुजरात,असम कृष्णा,कावेरी,गोदावरी
के मुहानों पर है।
पेट्रोलियम का भंडार अरब सागर के
तटीय क्षेत्रों पर है।
वेस्ट बंगाल, बिहार ,तमिल में कोयला
का भंडार है निश्चित।

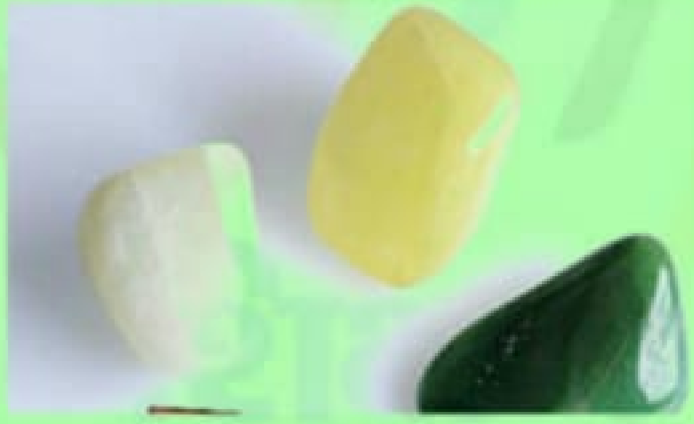

चौथा अधात्विक बहुमूल्य
पत्थर,राजस्थान में
भंडार सुरक्षित।।
सोना,तांबा,जिंक, टँगस्टन भारत मे
उपलब्धता कम है।
पूर्णाभाव है हिंदुस्तान में जिसका नाम
प्लेटिनम है।।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान।

रचना

राज कुमार शर्मा,UPS, चित्रवार, जनपद-चित्रकूट

+919458278429

आप सभी का दिन शुभ हो।

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि 98

दिनांक- 26अप्रैल'19 दिन - शुक्रवार

कक्षा-7 **इन्द्रधनुष** विषय- विज्ञान

पाठ-प्रकाश

रचना-
लक्ष्मण सिह मेहता
(विज्ञानअध्यापक)
प्रभारी प्रधानाध्यापक,
रा0 उ0 प्रा0 वि0 फोर्ती,
क्षेत्र-लोहाघाट,जनपद-चम्पावत(उत्तराखण्ड)

बाद वर्षा के पृथ्वी पर,
जब स्वच्छ हो वातावरण।
नदी,तालाब,झील का पानी,
चमके जैसे दर्पण।।
सूर्य की किरणें,जब पड़ती हैं
स्वच्छ जल पर,।
नभ में 'प्रकाश' परावर्तितत हो,
छा जाता इन्द्रधनुष बन कर।।
सुंदर रंग इस इन्द्रधनुष के
लगते बड़े महान।
प्रकृति की इस सुंदर रचना में,
बच्चों होता है विज्ञान।।
इन्द्रधनुष के सात रंग हैं, बै,नी,आ,ह,पी,ना, ला।
आसमान में जब आता है छा जाता रंग निराला।
बै से बैगनी, नी से नीला,आ से होता आसमानी।
ह,से हरा,पी से पीला, ना, नारंगी और लाल वीरानी।
ये ही क्रम है सात रंगों का,और बने सुंदर आकार।
अलग अलग सुंदर रंगों से मिलकर बनता है संसार।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

+919458278429

आप सभी का दिन शुभ हो।

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि 92

दिनांक- 23अप्रैल'19 दिन - मंगलवार

कक्षा-6 आविष्कार और आविष्कारक विज्ञान

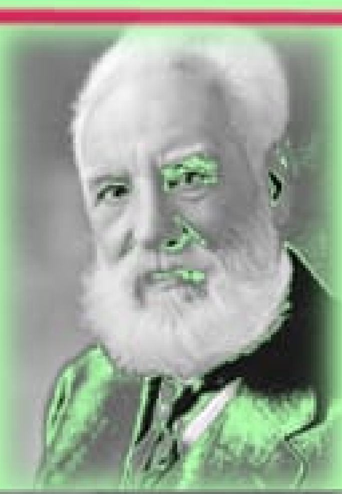

आओ बच्चो तुम्हे सुनाएं,आविष्कारों की बात तमाम।
आखिर किसने क्या खोजा है,और क्या –क्या उनके नाम।।
जीवविज्ञान के जनक अरस्तू,पाश्चर ने रेबीज़ टीका बनाया।
सेफ्टीपिन लगाए वाल्टर ने,टाइप शोलेज़ ने सिखलाया।।
चलाई साइकिल मैकमिलन ने जिस पर घूमे सारा जहान।
आखिर किसने क्या खोजा है,और क्या क्या उनके नाम।।
कम्प्यूटर के पिता चार्ल्स थे,रेज़र किंग जिलेट लाया।
रिवॉल्वर दिया कोल्ट ने,फ्रेंकलिन बिजली ले कर आया।।
फोन दिया था ग्राहमवेल ने ,हम सब करे उनका गुणगान
टी.वी बेयर्ड ने दिखलाया,रडार टेलर यंग ले आया।।
गुरुत्व न्यूटन ने बतलाया,चेचक जेनर ने मिटाया।।
शून्य आर्यभट्ट ने दिया,मिसाइल मैन कहलाये कलाम।
अर्थशास्त्र लिखा कौटिल्य ने,तभी है दुनिया मे ये नाम।।
माइक्रोवेव के पिता स्पेंसर,स्टोव हडावे ने था जलाया।
बाइक चलाई थी बटलर ने,बॉलपेन लॉजलो ले कर आया।
मोबाइल मार्टिन कूपर लाया ,मीथेन खोजा था वोल्बा ने
बल्व एडिसन ने था जलाया,सब जाने है उनका नाम।
डायनेमो दिया टेस्ला ने,प्लास्टिक पार्क्स ले कर आया
जहाज़ उड़ाया था राइटबंधु ने,रेल इंजन स्टीफन ने बना
रेडियो दे गए मारकोनी,हम रेडियो से सुन पाए तान
ये सब इन वैज्ञानिकों ने खोजा,इन सबको मेरा प्रणाम।।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

मंजू बहुगुणा (स.अ.) रा उ प्रा वि आमपाटा,नरेंद्रनगर (टिहरी गढ़वाल)

+919458278429

आप सभी का दिन शुभ हो।

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि 145

दिनांक- 20 मई'19

दिन - सोमवार

कक्षा-6

ऊर्जा के रूप

विषय- विज्ञान

कार्य करने की क्षमता ही,ऊर्जा है कहलाती।
कई रूप इसके हैं मिलते,सारा जगत चलाती।।
यांत्रिक,विद्युत,ध्वनि,प्रकाश,रासायनिक ऊर्जा रूप।
चुम्बकीय,ऊष्मीय,पेशीय,गुरुत्व,सूरज की ऊर्जा धूप।
ऊर्जा के कारण ही मानव सब जीवधारियों में विशिष्ट।
यही पारिस्थितिकी तन्त्र चलाती,नित रचती नव सृष्टि।
गतिमान वायु,रेलगाडी,खिंचे रबर,खिंचे तीर में।
इन सब में यांत्रिक ऊर्जा है, साथ बहते हुए नीर में।।
भोजन तथा भाप इंजन में,डीजल तथा पेट्रोल इंजन।
इन सब में रासायनिक ऊर्जा,ध्वनि ऊर्जा बादल गर्जन।।
पटाखों की आवाज में ध्वनि है,ध्वनि ऊर्जा से सुन पाते।
लालटेन,मोमबत्ती,टॉर्च से,प्रकाश ऊर्जा है ले पाते।।
पानी के उबलने के कारण,जो ऊर्जा है मिल पाती।
ढक्कन को बाहर है फेंकती,उष्मीय ऊर्जा है कहलाती।।
पंखो का घूमना मशीनों का चलना,विद्युत ऊर्जा से होता।
चुम्बकीय ऊर्जा के कारण,लोहे से चुम्बक चिपकता।।

रचना~
साकेत बिहारी शुक्ला(स.अ.)
पू.मा.वि.कटैया खादर
क्षेत्र-रामनगर, जनपद-चित्रकूट

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान।

+919458278429

आप सभी का दिन शुभ हो।

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि 99

दिनांक- 27.04.2019 दिन - शनिवार

कक्षा-6 विज्ञान के लाभ विषय-विज्ञान

विज्ञान के हुए जो चमत्कार, जीवन हो गया कितना आसान।
हर सुविधा उपलब्ध पल भर में, दूरदराज क्षेत्रों में भी हुआ आराम।।
भोजन पकता है अब गैस चूल्हे पर, बर्तनों पर नहीं जमती कालिख।
ढेर सारे अंतरिक्ष यानों से, अब दूसरे ग्रह जाना नहीं है मुश्किल।।
कृषि कार्य हो गए सरल,जो विकसित हुए ट्रैक्टर व ट्यूबवेल।
उर्वरक, कीटनाशक, उन्नत बीज से,अब तो लहलहाएगी फसल।।
दूर कहीं जाना हो तो,नहीं जरूरत तांगा,ऊंट,बैलगाड़ी की।
विज्ञान ने तरक्की कर ली है,अब यात्रा करो बस,कार,रेलगाड़ी की।।
यदि कोई हुआ बीमार,नहीं जरूरत झाड़-फूंक और अनुमान की।
डॉक्टर से दिखाओ परीक्षण कराओ, समय है त्वरित समाधान की।।
शिक्षा पद्धति बदली है, नई उम्मीद लेकर आई है।
मोबाइल,कम्प्यूटर,लैपटॉप से शिक्षा में गुणवत्ता लाई है।।
देश की रक्षा करने हेतु कई बदलाव आए हैं।
भाला,तलवार, तीर-धनुष को तोप, टैंकर, मिसाइल ने हटाए हैं।।
भेजना हो कोई संदेश तो टेलीफोन, मोबाइल, इंटरनेट उपलब्ध है ।
करने को विकास मानव का, विज्ञान अब प्रतिबद्ध है।

रचना

मृदुला वैश्य (स. अ.)
पू.मा.वि.मीठाबेल
क्षेत्र- ब्रह्मपुर,जनपद गोरखपुर

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

+919458278429

आप सभी का दिन शुभ हो।

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि 103

दिनांक- 29अप्रैल'19

दिन - सोमवार

कक्षा-8 कुपोषण का प्रभाव एवं बचाव विज्ञान

तर्ज-फूल तुम्हें भेजा है खत में....

पोषक तत्व यदि कम होते,
कुपोषण हो जाता है।
शरीर की वृद्धि नहीं होती है,
पढ़ने में मन नहीं लगता है।।
कई रोग से ग्रसित हो जाते,
प्रतिरोधक क्षमता कम हो।।
वजन निरंतर घटता जाता,
मांसपेशी कमजोर हो।।
यदि कुपोषण दूर है करना,
संतुलित आहार लेना होगा।
दाल चावल हरी सब्जियां,
फल व दूध पीना होगा।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान।

रचना- साकेत बिहारी शुक्ल
(स.अ.)
UPS–कटैया खादर
ब्लाक-रामनगर
जनपद- चित्रकूट

+919458278429

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि 174

दिनांक- 3 जून'19

दिन - सोमवार

कक्षा-6

स्वपोषी व परपोषी

विज्ञान

इकाई- 7

अपना भोजन जो हैं
बनाते,स्वपोषी कहलाते हैं।
सभी हरे पौधे इसके,अंतर्गत
ही आते हैं।।
अपना भोजन जो न
बनाते,परपोषी वो जीव हैं।
दूसरों पर निर्भर
रहते,अमरबेल सजीव है।।
जल में रहने वाले
जलीय,स्थलीय थल के
वासी।
दोनों पर जो वास हैं
करते,उभयचर ये निवासी।।

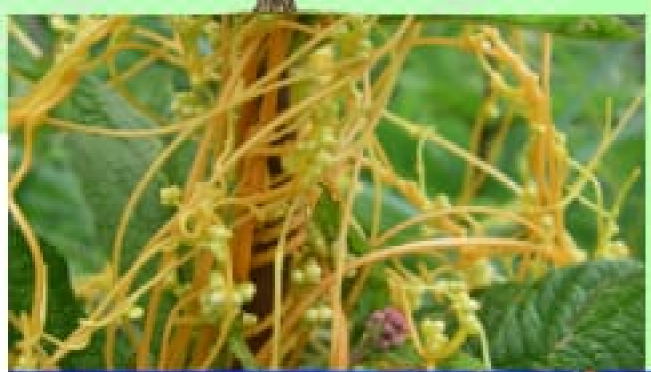

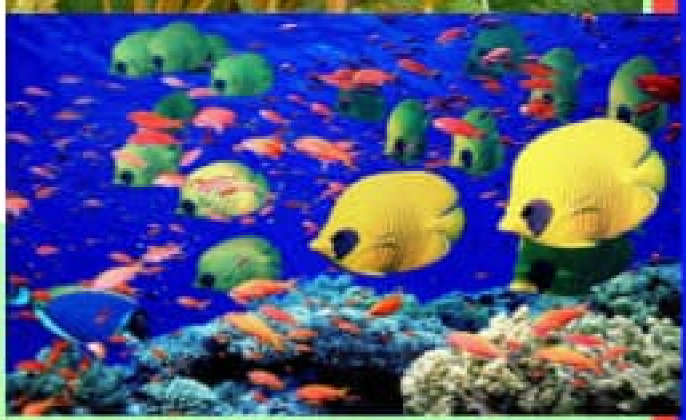

रचना-
साकेत बिहारी शुक्ल
(स.अ.)UPS-कटैया खादर
ब्लाक-रामनगर,जनपद- चित्रकूट

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान।

+919458278429

आप सभी का दिन शुभ हो।

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि 176

दिनांक- 04 जून'19

दिन - मंगलवार

कक्षा-4

"संवेदी अंग"

विज्ञान

जोड़े हमें जो इस दुनिया के संग।हैं ऐसे हमारे पांच संवेदी अंग।

पहली हमारी दो प्यारी 'आँखे'
दिखाती हमको दृश्य अपार।
कौन, क्या,कैसा है सबकुछ
जाने देखकर हम ये संसार।

खट्टा मीठा हमें बताती
हर स्वाद का है ये पता लगाती
मुँह में छिपी ये 'जीभ' हमारी
है स्वाद स्वाद का मजा चखाती

सुनते सारे स्वर हम जिनसे
मधुर कर्कश का लेते ज्ञान
जो हर ध्वनि से पहचान कराये
वो हैं हमारे ये दो 'कान'

आग छुए तो हाथ जल जाये
बर्फ छुए तो ठंड लग जाये
क्या गरम है क्या नरम है
त्वचा हमें ये महसूस कराये।

दुर्गन्ध पर है ये चिढ़ जाये
मीठी खुशबु से खुश हो जाये
'नाक' हमारी वो सखी सहेली
गंध का जो एहसास कराये

रचना-
मीनाक्षी उनियाल
रा.प्रा.वि.बयेडा,बीरोंखाल
जिला-पौडी गढ़वाल,उत्तराखंड

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान।

आप सभी का दिन शुभ हो।

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि

201

दिनांक- 17 जून'19

दिन - सोमवार

कक्षा-7 **भोज्य पदार्थ में उपस्थित मुख्य पोषक तत्व** विज्ञान

भोज्य पदार्थ में पाये जाते,
विभिन्न प्रकार के पोषक तत्व।
कार्बोहाइड्रेट,प्रोटीन,वसा,
ऊर्जा देते इनका है महत्व।।

ठोस रूप में वसा है चर्बी,
तरल रूप में तेल है।
घी,मक्खन,सरसों मूँगफली
अलसी संग नारियल तेलहै।।

गेहूँ,चावल,चीनी,आलू,
ब्रेड,चुकन्दर और अंगूर।
कार्बोहाइड्रेट पाया जाता
जो ताकत से है भरपूर।।

चना,उड़द,मूँग, राजमा,
सोयाबीन अरहर की दाल।
दूध,पनीर,माँस,अंडा,प्रोटीन
स्रोत है मसूर की दाल।।

रचना- साकेत बिहारी शुक्ल
(स.अ.)
UPS–कटैया खादर
ब्लाक-रामनगर,जनपद- चित्रकूट

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

+919458278429

आप सभी का दिन शुभ हो।

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि 287

दिनांक-30.07.2019

दिन - मंगलवार

कक्षा-7

पदार्थ की अवस्थाएं

विषय-विज्ञान

आओ बच्चों तुम्हें बताएं,
किसे कहते हैं पदार्थ।
कितने रूप में पाया जाता,
क्या होता है इसका अर्थ।

द्रव के अणु थोड़े-थोड़े दूर,
ठोस से अधिक अन्तरावकाश।
आयतन तो है निश्चित उनका,
मगर निश्चित नहीं आकार।

जगह घेरते,भार हो जिनमें,
परिभाषा में वही पदार्थ।
ठोस,द्रव,गैस के रूप में,
होते इनके तीन प्रकार।।

ठोस के अणु चिपके रहते,
कम होता है अन्तरावकाश।
आयतन उनका निश्चित होता,
निश्चित होता है आकार।।

गैस के अणु हैं बहुत दूर,
बहुत अधिक अन्तरावकाश।
आयतन भी नहीं निश्चित इनका,
और नहीं निश्चित आकार।।

रचना- शीला सिंह
(स.अ.)
UPS,विशेश्वरगंज
नगरक्षेत्र गाजीपुर

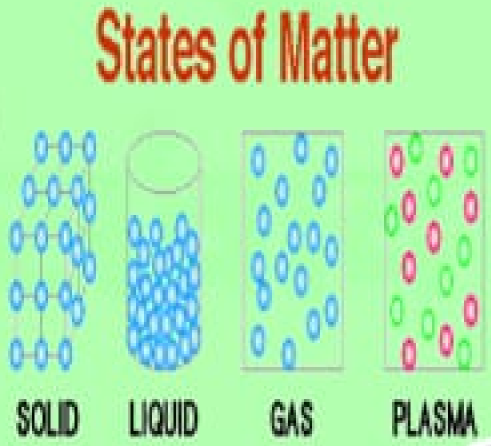

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

+919458278429

आप सभी का दिन शुभ हो।

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि 171

दिनांक- 02 जून'19 दिन - रविवार

कक्षा-8 **पदार्थ:-धातु और अधातु** विषय- विज्ञान

इकाई-04

आओ बच्चों,जाने हम।पदार्थ के रूप पहचाने हम।।
दो प्रकार के पदार्थ होते।धातु-अधातु ये कहलाते।।
जानो पहले धातु के गुण।फिर जानों अधातु के गुण।।
धातु में होती चमक,तन्यता।ध्वनि होती,होती सुचालकता।।
अधातु में भंगुरता होती।चोट मारने पर वे बिखरतीं।।
लोहा,काँसा,पीतल,ताँबा और धातु एलुमिनियम।
इन्हीं धातुओं से बनती हैं कई मशीनें व बर्तन।।
अधातु में कोयला,सल्फर,कार्बन व ऑक्सीजन।
उर्वरक बन खेतों में उत्पादन बढ़ाता नाईट्रोजन।।
धातुओं से हुआ मानव जीवन में बड़ा परिवर्तन।
चाहे मोटरगाड़ी,रेल,उपग्रह हो या हो वायुयान।
धातु अधातु के कारण ही मानव ने छुआ आसमान।।
बिन अधातु के मानव का जीवन न चल पाता।
औषधि व ऑक्सीजन के बिन कोई जिन्दा न रह पाता।

रचना~
लक्ष्मण सिंह मेहता,(विज्ञान अध्यापक/ प्रभारी प्रधानाध्यापक)
रा.उ.प्रा.वि.फोर्ती,क्षेत्र- लोहाघाट
जनपद- चम्पावत (उत्तराखण्ड)

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि 327

दिनांक- 19अगस्त'19

दिन - सोमवार

कक्षा-7

पौधों में पोषण

विषय-विज्ञान

जो अपना भोजन स्वयं बनाएं,
स्वपोषी कहलाएं।
हरे पेड़-पौधे हरियाली
इस श्रेणी में आएं।।
जो इनसे भोजन हैं पा
परपोषी कहलाएं।
परपोषी पौधे के होते 4 प्रकार,
पहला होए मृतोपजीवी,
मृत से भोजन पाए।।
कुकुरमुत्ता व फफूंद,
यह बात हमें बताएं।
दूजा कहलाए परजीवी,
आंशिक व पूर्ण प्रकार,
आंशिक भोजन स्वयं बनाए।।
जल-खनिज पोषी से पाए,
"चंदन" आंशिक परजीवी कहलाए।
जो पूर्ण रूप से निर्भर पोषी पर,
वो पूर्ण परजीवी कहलाए।।
"अमरबेल" यह बात हमें समझाए,
जो जल-भोजन पोषी से पाए।

तीजा प्रकार है सहजीवी,
दो जीव रहते साथ,दोनों पाते लाभ,
"लाइकेन" इस श्रेणी में आए,
ज़िसमें कवक-शैवाल साथ रह पाएं।।
चौथा परपोषी कीटों को खाए,
कीटभक्षी पौधा कहलाए।
नाइट्रोजन की कमी को पूरा करते जाए,
घटपर्णी-ड्रोसेरा आदि,यह बात हमें सिखलायें।।

रचना-शालिनी श्रीवास्तव (स.अ.)
पूर्व माध्यमिक विद्यालय दवोपुर,
देवकली, जनपद-गाज़ीपुर

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

+919458278429

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि 271

दिनांक-22जुलाई '19

दिन -सोमवार

कक्षा-6

जीव-जगत

विषय-विज्ञान

पोषण के आधार पर
निम्न तरह के पोषी।
शाकाहारी,मांसाहारी,
सर्वाहारी, स्वपोषी।।

जो जन्तु को मार कर
लें अपना आहार।
मांसाहारी कहलाते है
मगर, सांप,मार्जार।।

वायु से CO2 ले मिट्टी से
जल,खनिज लवण।
सूरज से ले मीठी धूप
पत्तियां बनाती हैं भोजन।।

बाघ,भेड़िया,तेंदुआ
चीता,माँसाहारी।
शेर,नेवला,बाज,चील
चारों है कुशल शिकारी।।

बकरी,गाय,शाकाहारी
हिरन,अश्व,खरगोश।
पौधों से ले भोजन अपना
करते हैं सन्तोष।।

जंतु और पेड़-पौंधों से
प्राप्त करें जो भोजन।
सर्वाहारी जंतु है
कुत्ता,मानव,डॉल्फिन।

रचना- साकेत बिहारी शुक्ल(स.अ.)
U.P.S,कटैया खादर
क्षेत्र-रामनगर,जनपद-चित्रकूट

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

आप सभी का दिन शुभ हो।

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि 254

दिनांक- 13जुलाई '19

दिन -शनिवार

कक्षा-6

प्रकाश स्रोत

विषय-विज्ञान

प्रकाश स्रोत के दो प्रकार
है,प्राकृतिक तथा मानव निर्मित।
सूर्य तथा तारे प्राकृतिक है,
लालटेन मानव निर्मित।।

प्रकाश उत्पन्न जो करती वस्तुयें,
दीप्त वस्तुएँ कहलाती।
सूर्य तारे लैंप एल.ई.डी,
C.F.Lका ज्ञान कराती।।

ऐसे प्रकाश स्रोत जो हमको,
प्राकृतिक रूप से मिलते हैं।
प्राकृतिक प्रकाश स्रोत है कहते,
सूरज तारे ये होते हैं।।

जिन स्रोतों को मनुष्य द्वारा,
इनको बनाया है जाता।
कृत्रिम प्रकाश स्रोत है कहते,
ट्यूब लाइट पढ़ा जाता।

प्रकाश उत्पन्न जो न कर
सकती,अदीप्त वस्तुएं हैं होती।
चन्द्रमा, कुर्सी, मेज, चारपाई,
आदि उदाहरण ये होती।

रचना-
साकेत बिहारी शुक्ल(स.अ.)
U.P.S,कटैया खादर
क्षेत्र-रामनगर,जनपद-चित्रकूट,(उ.प्र.)

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

आप सभी का दिन शुभ हो।

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि 302

दिनांक- 07.08.2019 दिन - शनिवार

कक्षा-7

पदार्थ की अवस्थाएं

विषय-विज्ञान

आओ बच्चों तुम्हें बताएं,
किसे कहते हैं पदार्थ।
कितने रूप में पाया जाता,
क्या होता है इसका अर्थ।

जगह घेरते,भार हो जिनमें,
परिभाषा में वही पदार्थ।
ठोस,द्रव,गैस के रूप में,
होते इनके तीन प्रकार।।

द्रव के अणु थोड़े-थोड़े दूर,
ठोस से अधिक अन्तरावकाश।
आयतन तो है निश्चित उनका,
मगर निश्चित नहीं आकार।

ठोस के अणु चिपके रहते,
कम होता है अन्तरावकाश।
आयतन उनका निश्चित होता,
निश्चित होता है आकार।।

गैस के अणु हैं बहुत दूर,
बहुत अधिक अन्तरावकाश।
आयतन भी नहीं निश्चित इनका,
और नहीं निश्चित आकार।।

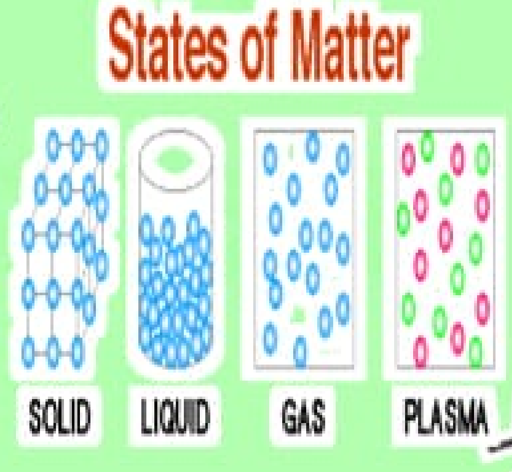

रचना- शीला सिंह
(स.अ.)
UPS,विशेश्वरगंज
नगरक्षेत्र गाजीपुर

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

+919458278429

आप सभी का दिन शुभ हो।

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि 372

दिनांक-10 सितंबर 2019

दिन - मंगलवार

कक्षा-6

सजीव और उनका परिवेश

विषय-विज्ञान

सांस सदा चलती रहती है ,
उत्सर्जन ,उद्दीपन भी।
वृद्धि और पोषण होता है ,
वंशवृद्धि ,अनुकूलन भी।

जीव- जंतु और पादप मिलकर ,
जैविक घटक बनाते हैं।
अनुकूलन करके प्रकृति से,
पर्यावरण बचाते हैं।

नभचर,जलचर ,थलचर हैं,
अलग-अलग इनके आवास।
सब सजीव कहलाते हैं,
जिनमें जीवन की है आस।

मिट्टी, वायु,जल,प्रकाश मिल
अजैविक घटक बनाते हैं
गुण नहीं पाए सजीव से,
तभी निर्जीव कहलाते हैं।

मीनू जोशी (स0अ0)
राजकीय कन्या जूनियर हाई स्कूल
चौसाला, ब्लाक धौलादेवी ,
जनपद अल्मोड़ा, उत्तराखण्ड

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान। मिशन शिक्षण संवाद

+919458278429

आप सभी का दिन शुभ हो।

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि 318

दिनांक- 14अगस्त'19

दिन - बुधवार

कक्षा-7 अम्ल और क्षार विषय-विज्ञान

अम्मा इनको देख तो चख कर ,
खट्टा अम्ल का स्वाद निराला।
और क्षार का स्वाद कसैला।
ना बेटा ना चखना इनको,
सूचकों से पहचान तू इनको।
लिटमस ,हल्दी ,गुड़हल इनमें,
अलग अलग रंग देते यह सबमें।
नीला लिटमस अम्ल में लाल ,
लाल को क्षार करें नीला तत्काल।
हल्दी अम्ल संग रंग न लाती,
क्षारों में इसकी लाली भाती ।
अम्ल गुलाबी और क्षार में हरे ,
गुड़हल देता रंग निराले ।

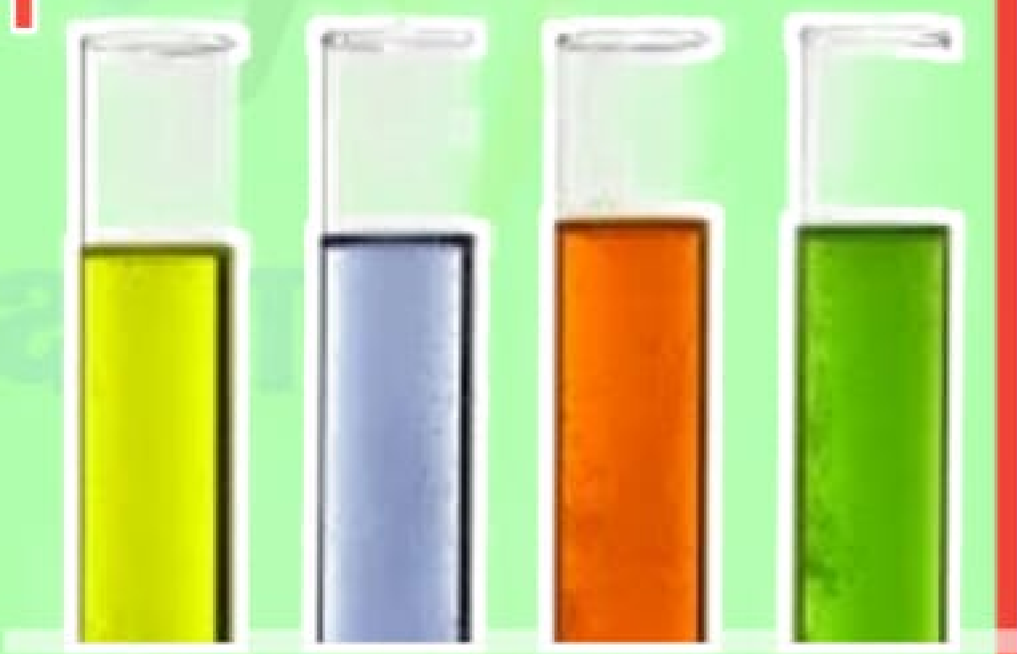

ज्योत्सना जोशी
रा.आ.क.उ.प्रा.वि
झलुवाजाला ,कोटाबाग जिला
नैनीताल उत्तराखंड

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

+919458278429

आप सभी का दिन शुभ हो।

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि 217

दिनांक- 25 जून'19

दिन -मंगलवार

कक्षा-7

ऊष्मा

विषय-विज्ञान

ताप की ऊर्जा ऊष्मा कहलाती,
गर्म-ठंडे का एहसास दिलाती।
थर्मामीटर से नापें आप,
37 डिग्री सेल्सियस हमारा ताप।

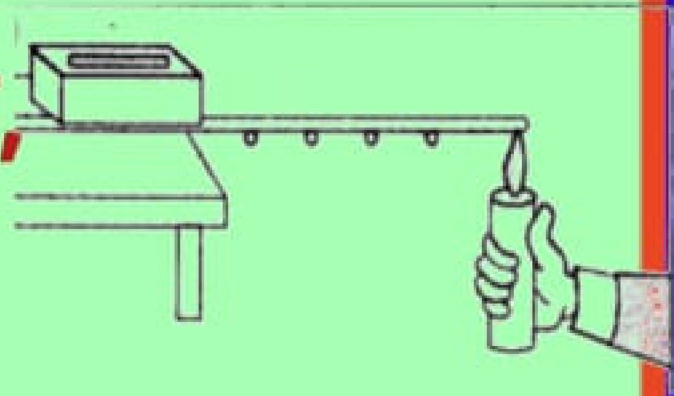

गर्म से ठंडी दिशा में बहती,
ऊष्मा स्थानांतरण कहलाती।
चालन,संवहन और विकिरण,
स्थानांतरण के तीन उपकरण।

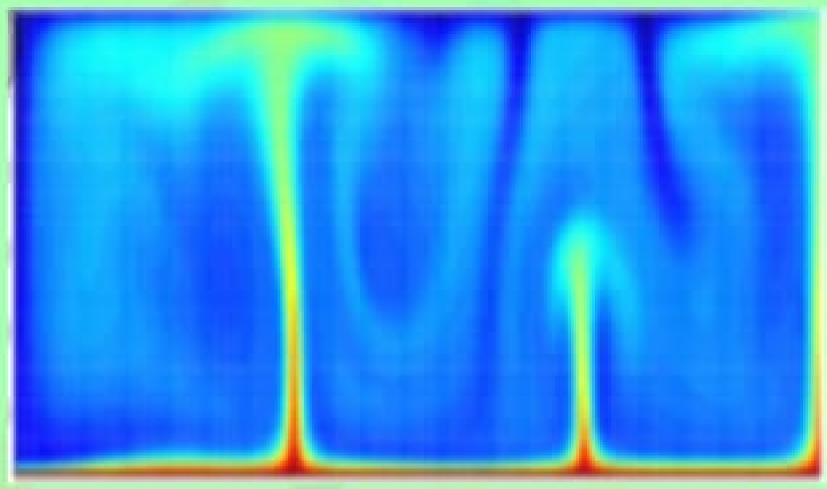

बर्तन गर्म होते चालन से,
संवहन से गरम होता पानी।
सूर्य की रोशनी हम तक,
विकिरण ने है पहुँचानी।।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

रचना-ज्योत्सना जोशी
रा.आ.क.उ.प्रा.वि.,झलुवाजाला
कोटाबाग,जिला नैनीताल
उत्तराखण्ड

+919458278429

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि 317

दिनांक- 14अगस्त'19

दिन - बुधवार

कक्षा-6

पुष्प

विषय-विज्ञान

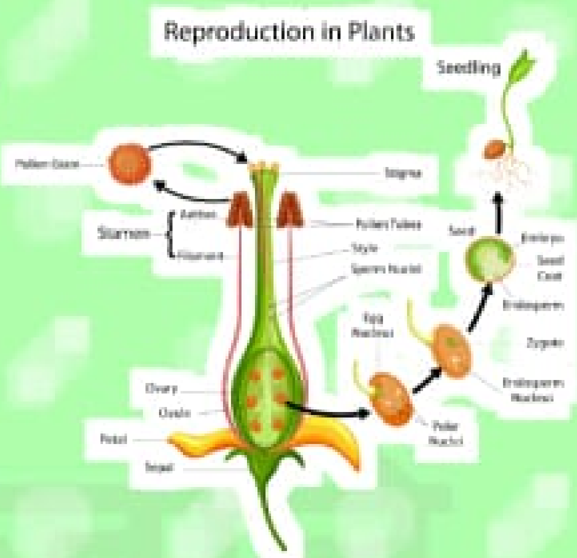

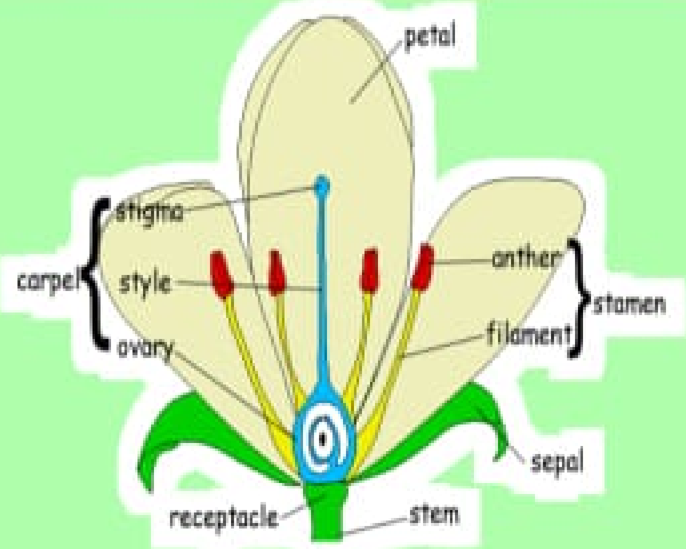

पुष्प,फूल और कुसुम कहलाते,
बहुत ही सुंदर मन को भाते।
हर फूल अलग क्यों दिखता है,
पुष्प की संरचना तुम्हें बताते।।

बहुत चटक रंगीन जो दिखते,
वही भाग दलपुन्ज कहलाते।
सबको दलपुंज खूब रिझाते,
कीटों को अपने पास बुलाते।।

परागण का कारण बन जाते,
जब भी कीट इन पर मंडराते।
दलपुंज की जो सुरक्षा करते,
वही भाग वाह्य दलपुंज कहलाते।।

पुंकेसर में पराग के कण हैं,
पुष्प के नर जननांग जो होते।
मादा जनन अंग भी जानो,
स्त्रीकेसर के नाम से जाने जाते।।

एक बात तुम लो अब जान,
सभी पुष्प नहीं एक समान।
एकलिंगी फूलों के अंदर,
नर या मादा एक ही भाग।।

द्विलिंगी पुष्पों में देखो,
दोनो जननांग पाये जाते।
फूल से बीज बीज से पौधा,
पौधों में प्रजनन अंग ये होते।।

रचना~शीला सिंह (स०अ०)
U.P.S. विशेश्वरगंज नगरक्षेत्र
जनपद-गाजीपुर

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

+919458278429

आप सभी का दिन शुभ हो।

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि 215

दिनांक- 24 जून'19

दिन - सोमवार

कक्षा-7

प्रौद्योगिकी

विषय-विज्ञान

विज्ञान के कारण आज धरा पर,
नई क्रांति है आयी।
कार्य को इसने सरल बनाया,
मानव हित में समायी।।

विज्ञान नियम सिद्धान्त प्रयोग
से,संसाधन का हो निर्माण।
मानव हित मे कार्य सरल
हो,प्रौद्योगिकी का होता ज्ञान।।

प्रौद्योगिकी के कारण निर्मित,
इंटरनेट और फैक्स मशीन।
मोबाइल,ट्रैक्टर कंप्यूटर,टीका,
X-रे टेलीफोन।।

रचना- साकेत बिहारी शुक्ल,
(स.अ.)
UPS-कटैया खादर,ब्लाक-रामनगर
जनपद- चित्रकूट

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान।

+919458278429

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि 159

दिनांक- 27 मई'19

दिन - सोमवार

कक्षा-6

पृथक्करण की विधियां

विज्ञान

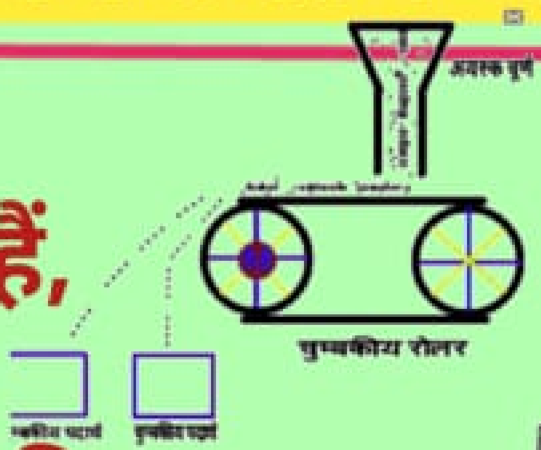

पृथक करने की कुछ विधियाँ हैं,
सुन लो बच्चों ध्यान से।
ठोस को ठोस से अलग करने की,
छः विधियाँ विज्ञान में।।
थ्रेसिंग,बीनना,फटक,
ओसाना,चालना और ऊर्ध्वपातन।
अवांछित को अलग करने में,
अपनाते हैं पृथक्करण।।
तलछटीकरण,निथारना,
छानना और विधि अपकेन्द्रण।
अघुनशील ठोस को करती,
द्रवों से ये पृथक्करण।।
घुलनशील ठोस को द्रव से,
पृथक करती हैं कुछ विधियाँ।
जैसे वाष्प,आसवन,
क्रिस्टलीकरण हैं,
ये दोनों उत्तम विधियाँ।।

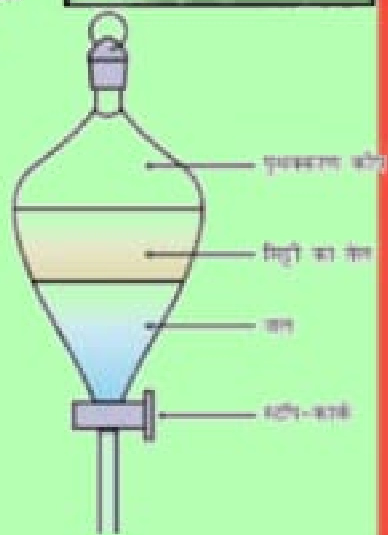

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

रचना- साकेत बिहारी शुक्ल
(स.अ.)
UPS-कटैया खादर
ब्लाक-रामनगर
जनपद- चित्रकूट

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि 187

दिनांक- 10 जून'19

दिन - सोमवार

कक्षा-6

उत्तोलक

विज्ञान

उत्तोलक सबसे अच्छा,आलम्ब आयास और रखता भार।
काम को जल्दी करते हैं ये,इसके होते तीन प्रकार।।
आयास भार के बीच यदि,आलम्ब उपस्थित है होता।
प्रथम प्रकार के उत्तोलक ये,कैंची दंडतुला होता।।
द्वितीय प्रकार के उत्तोलक में ट्रॉली सरौता आते हैं।
आलम्ब और आयास बीच भार भी शर्माते है।।
चिमटा झाड़ू सबसे अच्छे,तृतीय प्रकार के उत्तोलक।
आलम्ब और भार बीच आयास हमारा उत्तोलक।।

रचना-
साकेत बिहारी शुक्ल
(स.अ.)UPS-कटैया खादर
ब्लाक-रामनगर,जनपद- चित्रकूट

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

+919458278429

आप सभी का दिन शुभ हो।

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि 299

दिनांक-05अगस्त'19

दिन - सोमवार

कक्षा-8,इकाई-2

प्लास्टिक

विषय-विज्ञान

रासायनिक रूप से असंतृप्त,
हाइड्रोकार्बन के ये बहुलक।
उच्च अणुभार वाले होते,
इनको कहते हैं प्लास्टिक।।

पुनः चक्रण कर इन प्लास्टिक को,
उपयोग कर लिया है जाता।
पी वी सी तथा पॉलीथीन को,
थर्मोप्लास्टिक कहा जाता।।

बैकेलाइट,टेफ्लान,नायलॉन,
पी वी सी तथा पॉलीथीन।
ये सब प्लास्टिक के है उदाहरण,
साथ ही पॉली प्रोपिलीन।।

वे प्लास्टिक जो गर्म करने पर,
मुलायम हो जाते हैं।
ठंडा करने पर कठोर,
और खुरदुरे हो जाते हैं।।

थर्मोप्लास्टिक गर्म करने पर,
मुलायम वे बन जाते।
जब इन्हें ठंडा किया जाता,
तब वे कड़े है हो जाते।।

पुनः प्रयोग इनका न हो पाता,
थर्मोसेटिंग ये कहलाते।
बैकेलाइट इनका है उदाहरण,
कंघी व पेन बन जाते।।

रचना- साकेत बिहारी शुक्ल(स.अ.)
U.P.S,कटैया खादर
क्षेत्र-रामनगर,जनपद-चित्रकूट

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

+919458278429

आप सभी का दिन शुभ हो।

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि 246

दिनांक- 9जुलाई'19 दिन - मंगलवार

कक्षा-8 **पौधों एवं जन्तुओं का संरक्षण** विषय-विज्ञान

नन्हें-नन्हें पौधों का,
जीवन बहुत उपयोगी है।
सदियों के ये सच्चे साथी
मानव के सहयोगी हैं।

आओ मिलकर इन्हें बचाएं।
वन्य जन्तु और वन को बचाएं।
आज हम मिलकर लेते ये प्रण,
सबसे ज्यादा करें वृक्षारोपण।।

जीव-जंतु हैं न्यारे-प्यारे,
सब मिल के इन्हें दुलारें।
रखते जहाँ हैं इनका ध्यान,
वहीं कहलाते राष्ट्रीय उद्यान।।

यही जगत के जीवन दाता
इनको नष्ट करो न भ्राता।
यही धरा का के बने आवरण,
यही संरक्षित रखते पर्यावरण।।

रचना~
लक्ष्मण सिंह मेहता
विज्ञान अध्यापक/ प्रभारी प्र.अ.
रा.उ.प्रा.वि.फोर्ती,क्षेत्र-लोहाघाट
जनपद –चम्पावत,उत्तराखण्ड

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

+919458278429

आप सभी का दिन शुभ हो।

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि 132

दिनांक- 13 मई'19 दिन - सोमवार

कक्षा-8 सूक्ष्म जीव-मित्र व शत्रु विषय- विज्ञान

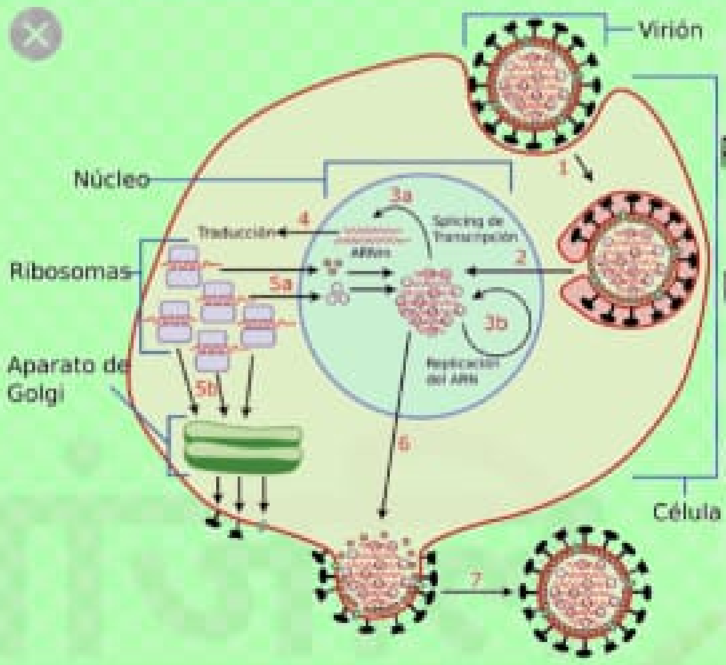

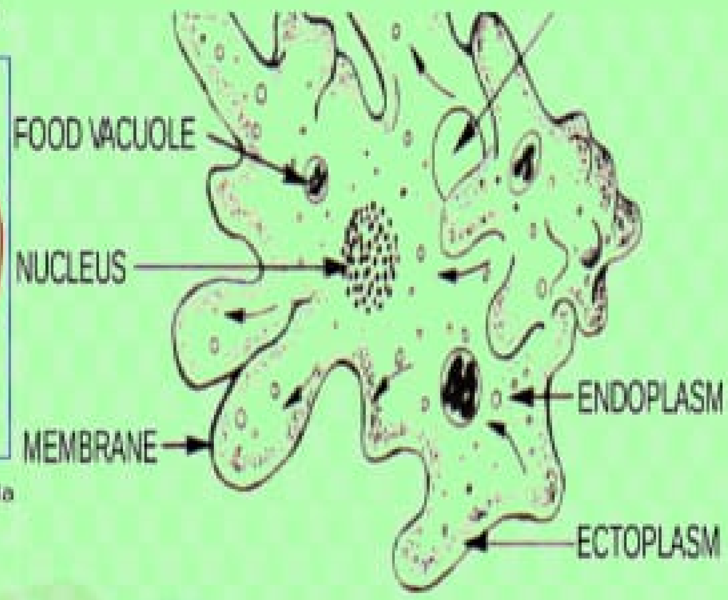

आओ बच्चो जाने हम,
सूक्ष्म जीव पहचाने हम।
आँखों से जो दिख ना सकें,
एक जगह वो टिक ना सकें।
उनमें से कुछ मित्र हमारे,
काम करें वो बहुत ही सारे।
भिन्न रूप,रंग व भिन्न है आकार,
प्रोटोज़ोआ,कवक,शैवाल,
जीवाणु हैं जिनके प्रकार।
मित्र बन कर,करें हमारे सब काम सही,
पेस्ट्री,केक,ब्रेड हो या हो पनीर,दही।
इनसे बनी दवाइयों के होते कई नाम।
विषाणु भी एक सूक्ष्मजीव का नाम।
वायु,जल, मिट्टी व जन्तुओं मे रहते
नाइट्रोजन बढ़ा भूमि की उर्वरता बढ़ाते।।
सड़े गले मृत जीवों का करते नाश।
पर्यावरण की गन्दगी का करते ये नाश।
कई सारे रोगों के जनक है ये जीव
प्रकृति मे असंख्य होते है ये जीव।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

रचना-लक्ष्मण सिंह मेहता
विज्ञान अध्यापक/ (प्र.प्र.अ.)
रा.उ.प्रा.वि.फोर्ती
क्षेत्र-लोहाघाट,जनपद- चम्पावत उत्तराखण्ड

+919458278429

मिशन शिक्षण संवाद

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि टीम

प्रेरणा स्रोत-विमल कुमार जी

उत्तराखंड

- मीनाक्षी उनियाल
- प्रेमलता सजवाण
- नीरज पन्त

टीम प्रभार,U.K–
लक्ष्मण सिंह मेहता

टीम प्रभार,U.P.
आर.के.शर्मा

उत्तर प्रदेश

- पूजा सचान
- ज्योति कुमारी
- साकेत बिहारी शुक्ल
- प्रवीणा दीक्षित
- रीना सैनी
- आशीष कुमार शुक्ल
- वन्दना यादव
- नवीन पोरवाल
- गीता यादव
- पूजा दुबे
- मनीष कुमार वर्मा

काव्यांजलि की कविताएं,बच्चों के मन भाएँ।